संदिग्ध परिस्थिति में विवाहिता की मौत, हत्या का आरोप

कौशाम्बी। सराय अकिल थाने के सुरसेना गांव में गुरुवार रात संदिग्ध परिस्थितियों में विवाहिता की मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलने पर पहुंचे मायके पक्ष के लोगों ने ससुरालियों पर दहेज के लिए हत्या करने का आरोप लगाया। मृतका की मां ने पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजकर जांच शुरू कर दी है।

करारी थाना क्षेत्र के पिंडरा सहवानपुर गांव निवासी आबिदा ने बताया कि उन्होंने अपनी बेटी खुशनुमा बानो (२७) की शादी करीब आठ वर्ष पहले सुरसेना गांव निवासी मोहम्मद सद्दाम के साथ की थी। आरोप है कि शादी के कुछ दिनों तक सब ठीक रहा, लेकिन बाद में ससुराल के लोग कम दहेज मिलने का ताना देकर बेटी को परेशान करने लगे। आरोप है कि गुरुवार रात ससुरालियों ने दहेज की मांग को लेकर खुशनुमा की हत्या कर दी। इसके बाद मायके पक्ष को बीमारी से मौत होने की सूचना दी गई। जानकारी मिलते ही परिजन रोते-बिलखते सुरसेना गांव पहुंचे। विवाहिता की मौत से परिवार में कोहराम मच गया। मृतका की मां की तहरीर पर पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। एसओ ज्ञान सिंह ने बताया कि शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

फांसी के फंदे पर लटकता मिला युवक का शव

कौशाम्बी। महेवाघाट थाना क्षेत्र के नौबस्ता गांव निवासी एक युवक का शव शुक्रवार की सुबह घर के भीतर फांसी के फंदे पर लटकता मिला। उसने खुदकुशी की या फिर और कोई घटना हुई, फिलहाल यह साफ नहीं है। घटना से पीडित परिवार में कोहराम मच गया है। हालांकि, परिजनों ने किसी तरह का कोई आरोप नहीं लगाया है। पुलिस छानबीन में जुटी हुई है।

नौबस्ता निवासी अशोक कुमार (३३) पुत्र नेम सिंह निषाद किसानी करता था। गुरुवार की रात वह खाने के बाद अपने कमरे में सोने चला गया। शुक्रवार की सुबह काफी देर तक नहीं उठा तो परिजन परेशान हो गए। परिवार के लोग कमरे में गए तो वहां का नजारा देख उनकी चीख निकल पड़ी। अशोक कुमार का शव फांसी के फंदे पर लटक रहा था। शोरगुल सुन मौके पर गांव वालों की भीड़ जमा हो गई। सूचना के बाद पहुंची पुलिस ने छानबीन करते हुए मृतक का शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घटना के बाद से परिवारीजनों के आंसू थामे नहीं थम रहे हैं।

१३ केंद्रों में दो पालियों में सम्पन्न हुई पीईटी परीक्षा

परीक्षा केंद्रों की जांच के लिए पहुंचते रहे अधिकारी

कौशाम्बी। प्रारंभिक अऱ्हता परीक्षा (पेट) शुक्रवार को १३ केंद्रों में हुई। दो पालियों में परीक्षा का आयोजन कराया गया। ६० फीसदी से अधिक परीक्षार्थी परीक्षा में शामिल हुए। पहली पाली व दूसरी पाली में कुल ४७१० परीक्षार्थी अनुपस्थित पाए गए। परीक्षा केंद्रों की जांच के लिए अधिकारी लगातार निरीक्षण करते रहे। साथ ही सुरक्षा व्यवस्था में किसी भी तरह की ढिलाई न बरतने का निर्देश देते रहे। प्रारंभिक अऱ्हता परीक्षा (पेट) की दूसरी परीक्षा शुक्रवार को हुई। परीक्षा के लिए १३ सेंटर बनाए गए थे। पहली व दूसरी पाली में कुल ४५६०-४५६० परीक्षार्थियों को प्रतिभाग करना था। पहली पाली में कुल २९३३ परीक्षार्थी शामिल हुए, जबकि १६२७ परीक्षार्थी गैरहाजिर रहे। वहीं दूसरी पाली में ४५६० परीक्षार्थियों में से कुल ३०८३ ही परीक्षार्थी सेंटर पहुंचे और परीक्षा दी। कुल १४७७ परीक्षार्थी परीक्षा से अनुपस्थित रहे। देर शाम सेंटरों से डाटा मिलने के बाद जिले के अफसरों ने इसकी रिपोर्ट शासन को भेज दी है। परीक्षा शांतिपूर्ण व पारदर्शी हो, इसके लिए सुरक्षा के तगड़े इंतजाम किए गए थे। परीक्षा केंद्रों की निगरानी के लिए स्टेटिक मजिस्ट्रेट मौजूद रहे। परीक्षा केंद्रों की सुरक्षा की जांच के लिए लगातार अधिकारी पहुंचते रहे। जांच के दौरान अधिकारी सेंटर का सीसीटीवी कैमरा देखा।

चायल में अधिवक्ताओं ने किया न्यायिक कार्य का बहिष्कार



बैठक करते अधिवक्ता ।

चायल,कौशाम्बी। स्थानीय तहसील में उपजिलाधिकारी और अधीनस्थ कर्मचारियों की कार्यशैली और अवैध धन उगाही को लेकर अधिवक्ताओं में नाराजगी बढ़ती जा रही है। शुक्रवार को बार एसोसिएशन की आमसभा अधिवक्ता हाल में आयोजित हुई। इसमें अधिकारियों और कर्मचारियों पर कामकाज में लापरवाही और अवैध धन उगाही का आरोप लगाते हुए अधिवक्ताओं ने विरोध जताया। बैठक में बताया गया कि बार एसोसिएशन की ओर से २७ अक्तूबर २०२६ को पत्र देकर उपजिलाधिकारी और अधीनस्थ कर्मचारियों की कार्यशैली में सुधार की मांग की गई थी, लेकिन अब तक उस पर कोई अमल नहीं किया गया। इससे नाराज अधिवक्ताओं ने सर्वसम्मति से शुक्रवार को न्यायिक कार्य के बहिष्कार का निणन्य लिया। आमसभा में यह भी तय किया गया कि सोमवार को अधिवक्ताओं का एक प्रतिनिधिमंडल जिलाधिकारी से मुलाकात करेगा। प्रतिनिधिमंडल चायल तहसील में व्याप्त समस्याओं, अधिकारियों की कार्यशैली और कथित अवैध धनउगाही के मामलों से डीएम को अवगत कराएगा। अधिवक्ताओं ने समस्याओं का समाधान कराने की मांग की है। बैठक में मुख्य रूप से बार एसोसिएशन के अध्यक्ष सगीर अहमद, महामंत्री अजीत सिंह, कोषाध्यक्ष सुनील कुमार, नूरूत जमा, राजेश्वर सिंह, बृजबिहारी यादव, सौरभ मोदनवाल, शिवम ओझा, अंकित मिश्रा और भूपेंद्र सिंह आदि अधिवक्ता मौजूद रहे।

फांसी पर लटकता मिला अधेड़ का शव

कौशाम्बी। महेवाघाट थाना क्षेत्र के अलग-अलग गांवों में शुक्रवार सुबह अधेड़ व युवक का शव घर के भीतर फांसी के फंदे पर लटकता मिला। दोनों ने खुदकुशी की या फिर और कोई घटना हुई, फिलहाल यह साफ नहीं है। घटना से पीडित परिवारों में कोहराम मच गया है। हालांकि, परिजनों ने किसी तरह का कोई आरोप नहीं लगाया है। पुलिस छानबीन में जुटी हुई है।

नौबस्ता निवासी अशोक कुमार (३३) पुत्र नेम सिंह निषाद किसानी करता था। गुरुवार की रात वह खाने के बाद अपने कमरे में सोने चला गया। शुक्रवार की सुबह काफी देर तक नहीं उठा तो परिजन परेशान हो गए। परिवार के लोग कमरे में गए तो वहां का नजारा देख उनकी चीख निकल पड़ी। अशोक कुमार का शव फांसी के फंदे पर लटक रहा था। शोरगुल सुन मौके पर गांव वालों की भीड़ जमा हो गई। सूचना के बाद पहुंची पुलिस ने छानबीन करते हुए मृतक का शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। इसी तरह मवई निवासी उमेश कुमार (५०) पुत्र भैयालाल भी किसानी करके परिवार का भरण-पोषण करता था। शुक्रवार की सुबह उसका शव भी घर के भीतर फांसी के फंदे पर लटकता मिला। पुलिस ने लाश पोस्टमार्टम के लिए भेज दी है। परिवार वालों की रो-रोकर हालत खराब है।

चोरों ने सूने मकान से हजारों का सामान उड़ाया, केसदर्ज

कौशाम्बी। सराय अकिल थाना क्षेत्र के घासीराम का पूरा मजरा बसुहार निवासी जवाहर सिंह ने बताया कि उसके भाई जयकरन सिंह भोपाल में परिवार सहित रहकर नौकरी करते हैं। पिछले करीब दो महीने से घर नहीं आए हैं।

सराय अकिल थाना क्षेत्र के घासीराम का पूरा मजरा बसुहार निवासी जवाहर सिंह ने बताया कि उसके भाई जयकरन सिंह भोपाल में परिवार सहित रहकर नौकरी करते हैं। पिछले करीब दो महीने से घर नहीं आए हैं। उनका मकान गांव की सड़क किनारे मौजूद है। २३/२४ अक्तूबर की रात मकान का ताला तोड़कर चोर पीतल व स्टील के बर्तन और मिक्सर मशीन समेत हजारों रुपया कीमत का माल उठा ले गए। घटना की जानकारी पीडित को गुरुवार की सुबह हुई। उसकी तहरीर पर मुकदमा कायम कर पुलिस ने चोरों की तलाश शुरू कर दी है। थाना प्रभारी ज्ञान सिंह का कहना है कि जल्द ही वारदात का अनावरण कराया जाएगा।

नाती के नाम वसीयत की जमीन हड़पने का आरोप,दी धमकी

महगांव,कौशाम्बी। संदीपन घाट थाना क्षेत्र के बलिहावां देह गांव में जमीन को लेकर पारिवारिक विवाद का मामला सामने आया है। गांव निवासी फूललाल पुत्र स्वर्गीय हरिलाल ने अपने ही रिश्तेदारों पर नाती के नाम वसीयत की गई जमीन हड़पने जमीन के कागजात अपने कब्जे में रखने गाली-गलौज, मारपीट और जान से मारने की धमकी देने का गंभीर आरोप लगाया है। पीडित ने स्थानीय पुलिस को तहरीर देकर मामले की जांच कर आरोपियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की है। पुलिस को दी गई तहरीर के मुताबिक फूललाल ने करीब तीन वर्ष पहले अपनी जमीन अपने नाती अशिवनी कुमार पुत्र स्वर्गीय सुशील कुमार के नाम वसीयत की थी। आरोप है कि इसी दौरान उनके भाई का पुत्र रमाकान्त पुत्र स्वर्गीय सरजू प्रसाद उनके नाती को बहला-फुसलाकर अपने घर ले गया। पीडित का दावा है कि जमीन से संबंधित महत्वपूर्ण कागजात भी रमाकान्त ने अपने पास रख लिए, जिसके बाद जमीन को लेकर विवाद शुरू हो गया।

फूललाल के अनुसार जब उन्होंने एक जनवरी २०२६ को रमाकान्त से जमीन के कागजात वापस मांगे तो रमाकान्त और उसकी पत्नी ने उनके साथ गाली-गलौज करते हुए मारपीट की। पीडित का आरोप है कि रिश्तेदारों के इस व्यवहार से वह परेशान हैं और उन्हें अपनी जमीन तथा सुरक्षा को लेकर चिंता सता रही है। तहरीर में यह भी आरोप लगाया गया है कि आरोपियों ने फोन कर नाती के खर्च के नाम पर १५ हजार रुपये प्रतिमाह देने की मांग की। फूललाल का कहना है कि रुपये देने से इनकार करने पर जमीन हड़पने और जान से मारने की धमकी दी गई। पीडित ने आरोपियों के कथित दबाव और धमकी से परेशान होकर पुलिस से न्याय की गुहार लगाई है।मामले में फूललाल ने पुलिस से पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच कराने, जमीन से संबंधित दस्तावेजों की पड़ताल करने तथा तहरीर के आधार पर आरोपियों के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कर विधिक कार्रवाई करने की मांग की है। पुलिस जांच में जुट गई है।

२४ घंटे से २५ गांवों की बिजली गुल

कौशाम्बी। मंदर और मनौरी विद्युत उपकेंद्र से जुड़े करीब २५ गांवों में पिछले २४ घंटे से बिजली आपूर्ति ठप है। लगातार बिजली गुल रहने से ग्रामीणों की दिनचर्या पूरी तरह प्रभावित हो गई है। रातभर गांवों में अंधेरा पसरा रहा तो दिन में पेयजल संकट से लोग परेशान रहे। बिजली से चलने वाले उपकरण बंद होने के साथ ही छोटे कारोबार भी ठप हो गए हैं। मंदर विद्युत उपकेंद्र के कसेंदा फीडर से जुड़े बिलासपुर, इंगुआ उर्फ कठगांव, अकबरपुर मिर्जापुर, गोविंदपुर तेवारा, करनपुर, अहमदपुर पावन और बेगमपुर समेत करीब १५ गांवों में आपूर्ति प्रभावित है। वहीं शेखसरवां फीडर के शेखसरवां, बरवा और भगवतपुर सहित अन्य गांवों में भी बिजली संकट बना हुआ है।

मनौरी उपकेंद्र के पीपलगांव फीडर से जुड़े मनौरी गांव, जनका, कुसवां और मर्दानपुर समेत कई गांवों के उपभोक्ता भी परेशान हैं। उपभोक्ता कासिब, गुड्डू, तौकीर सिद्दीकी, शालू, तौफीक अहमद, अली अब्बास और रामसिंह आदि ने बताया कि गुरुवार रात से बिजली गायब है। शुक्रवार रात तक आपूर्ति बहाल नहीं हो सकी। बिजली न होने से सबमर्सिबल पंप और मोटर नहीं चल पा रहे हैं। लोगों को दूर लगे हैंडपंपों से पानी लाना पड़ रहा है। वहीं आटा चक्की, तेल पेराई और वेल्डिंग का काम भी बंद पड़ा है। मोबाइल चार्ज करने तक के लिए लोगों को परेशान होना पड़ रहा है। ग्रामीणों का आरोप है कि शिकायत के बावजूद समस्या का समाधान नहीं हुआ। इससे उपभोक्ताओं में नाराजगी है। इस संबंध में अवर अभियंता राजकुमार ने बताया कि आंधी और बारिश से ३३ हजार की लाइन खराब हो गई थी। लाइन ठीक कर ली गई है। जल्द ही आपूर्ति बहाल कर दी जाएगी।

चोरों ने पार किया ई-रिक्शा, मुकदमा दर्ज

कौशाम्बी। मंझनपुर कोतवाली क्षेत्र के कोड़र गांव निवासी परमेश कुमार ने बताया कि बुधवार की रात बड़ा भाई महंगू शराब पीकर गाली-गलौज करने लगा। विरोध करने पर पत्नी ऊषा देवी की पिटाई शुरू कर दी। यूपी-११२ पुलिस के पहुंचे पर भी आरोपी और उसका बेटा मिथिलेश गाली-गलौज करते रहे। मामले की शिकायत पर रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस ने घायल का मेडिकल करा दिया है। थाना प्रभारी विनीत सिंह ने आरोपियों के विरुद्ध कार्रवाई की बात कही है।

सहायक उपकरण वितरण शिविर में दिव्यांग बच्चों के सपनों को मिले पंख

कौशाम्बी। किसी के लिए ट्राई साइकिल आजादी का सहारा बनी तो किसी के लिए व्हीलचेयर ने आगे बढ़ने की नई उम्मीद जगाई। शुक्रवार को बीआरसी कौशाम्बी में आयोजित सहायक उपकरण वितरण शिविर में १८२ दिव्यांग बच्चों को उनकी जरूरत के अनुसार उपकरण बांटे गए। उपकरण पाकर बच्चों के चेहरों पर खुशी दिखाई दी। समग्र शिक्षा अभियान के तहत आयोजित इस शिविर का उद्देश्य दिव्यांग बच्चों को शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़कर आत्मनिर्भर बनाना है।

कार्यक्रम का शुभारंभ जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ. कमलेन्द्र कुमार कुशवाहा ने मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलित कर किया। बीएसए के निर्देशन में आयोजित शिविर में विशेषज्ञों की देखरेख में बच्चों को उपकरण वितरित किए गए। शिविर में अस्थि दिव्यांग बच्चों को १५ ट्राई साइकिल, १४ रोलेटर, १६ एल्बो क्रच और दो बैसाखी दी गईं। दृष्टिबाधित बच्चों को दो ब्रेल किट और तीन स्मार्ट केन मिलीं। मानसिक मंदित बच्चों को ८३ एमआर किट, सेरेब्रल पाल्सी से प्रभावित बच्चों को २२ व्हीलचेयर और श्रवण बाधित बच्चों को ३४ श्रवण यंत्र वितरित किए गए। एलिम्को कानपुर के विशेषज्ञ आदर्श द्विवेदी के सानिध्य में उपकरणों का वितरण हुआ। कार्यक्रम के आयोजन में खंड शिक्षा अधिकारी डॉ. अरुण कुमार सिंह, नवागत खंड शिक्षा अधिकारी श्रवण कुमार पाल, जिला समन्वयक समेकित शिक्षा अवधेश कुमार पाण्डेय, स्पेशल एजुकेटर अभिषेक कुमार सिंह, आशुतोष श्रीवास्तव, प्रदीप कुमार, शारदा कुमार सिंह और फिजियोथैरेपिस्ट पंकज साहू समेत अन्य शिक्षक व कर्मचारी मौजूद रहे।

मारीच वध और अहिल्या उद्धार लीला का हुआ मंचन, फुलवारी में मिले राम-सीता

श्री रामलीला कमेटी पुरानी बाजार भरवारी की ओर से आयोजित रामलीला में फतेहपुर से आए कलाकारों ने भगवान श्रीराम के जीवन से जुड़ी तीन मनोहारी लीलाओं का मंचन किया। इस दौरान मारीच वध लीला, अहिल्या उद्धार लीला और श्रीराम-सीता फुलवारी लीला का सजीव मंचन देखकर दर्शक भावविभोर हो गए। मंचन के दौरान कलाकारों ने दिखाया कि किस प्रकार भगवान श्रीराम ने मारीच का वध कर ऋषि-मुनियों को उसके आतंक से मुक्ति दिलाई। इसके बाद अहिल्या उद्धार प्रसंग का मंचन किया गया। भगवान श्रीराम के चरण स्पर्श से अहिल्या का उद्धार होते ही पूरा पंडाल जय श्रीराम के जयकारों से गूंज उठा।वहीं फुलवारी लीला में प्रभु श्रीराम और माता सीता के प्रथम मिलन का मनोहारी प्रसंग प्रस्तुत किया गया। पुष्पवाटिका में पहली बार एक-दूसरे को देखकर श्रीराम और सीता के बीच हुए प्रेमपूर्ण संवाद ने दर्शकों का मन मोह लिया। कलाकारों की भावपूर्ण प्रस्तुति और आकर्षक संवादों ने रामलीला को जीवंत बना दिया। देर रात तक दर्शक मंचन का आनंद लेते रहे। इस दौरान कई गणमान्य दर्शक सहित संतोष केसरवानी (अध्यक्ष) नीरज बनारसी राम प्रकाश शिव प्रसाद बुधराम गयादीन आदि मौजूद रहे।

परशुराम के क्रोध पर लक्ष्मण के व्यंग्य भरे वचनों ने बांधा समा

शिव धनुष टूटने पर भड़के भगवान परशुराम, दोनों के बीच तीखी नोकझोंक का दर्शकों ने उठाया आनंद,लगाये जयकारे

करारी,कौशाम्बी। करारी रामलीला महोत्सव में गुरूवार रात परशुराम-लक्ष्मण संवाद लीला का भावपूर्ण मंचन किया गया। शिव धनुष टूटने के बाद भगवान परशुराम के क्रोध और लक्ष्मण के व्यंग्य भरे जवाबों ने दर्शकों को खूब रोमांचित किया। दोनों के बीच हुई तीखी नोकझोंक के प्रसंग पर दर्शक देर तक तालियां बजाते रहे। लीला प्रसंग के अनुसार, सीता स्वयंवर में भगवान श्रीराम के हाथों शिव धनुष टूटने की खबर सुनकर भगवान परशुराम मिथिला पहुंच गए। वहां टूटा हुआ धनुष देखकर वह क्रोधित हो उठे। उन्होंने धनुष तोड़ने वाले को सामने आने की चेतावनी दी और कहा कि ऐसा नहीं होने पर सभी राजाओं को दंड भुगतना पड़ेगा। इस पर लक्ष्मण ने मुस्कुराते हुए व्यंग्य किया कि बचपन में उन्होंने कई धनुष तोड़े, लेकिन तब किसी ने इतना क्रोध नहीं किया।



रामलीला का मंचन करते कलाकार ।

करारी रामलीला महोत्सव में गुरूवार रात परशुराम-लक्ष्मण संवाद लीला का भावपूर्ण मंचन किया गया। शिव धनुष टूटने के बाद भगवान परशुराम के क्रोध और लक्ष्मण के व्यंग्य भरे जवाबों ने दर्शकों को खूब रोमांचित किया। दोनों के बीच हुई तीखी नोकझोंक के प्रसंग पर दर्शक देर तक तालियां बजाते रहे। लीला प्रसंग के अनुसार, सीता स्वयंवर में भगवान श्रीराम के हाथों शिव धनुष टूटने की खबर सुनकर भगवान परशुराम मिथिला पहुंच गए। वहां टूटा हुआ धनुष देखकर वह क्रोधित हो उठे। उन्होंने धनुष तोड़ने वाले को सामने आने की चेतावनी दी और कहा कि ऐसा नहीं होने पर सभी राजाओं को दंड भुगतना पड़ेगा। इस पर लक्ष्मण ने मुस्कुराते हुए व्यंग्य किया कि बचपन में उन्होंने कई धनुष तोड़े, लेकिन तब किसी ने इतना क्रोध नहीं किया। इस धनुष के प्रति इतनी ममता क्यों दिखाई जा रही है। लक्ष्मण के जवाब से परशुराम का क्रोध और बढ़ गया। दोनों के बीच काफी देर तक तीखे संवाद हुए। बाद में भगवान श्रीराम ने विनम्रता से परशुराम को शांत कराया। परशुराम ने अपना धनुष श्रीराम को सौंपकर परीक्षा ली। श्रीराम के प्रत्यंचा चढ़ाते ही परशुराम का संशय दूर हो गया। उन्होंने श्रीराम को आशीर्वाद दिया और वन की ओर प्रस्थान कर गए। इस मौके पर अध्यक्ष संजय जायसवाल, प्रबंधक, पंकज शर्मा, रमेश शर्मा, अशोक वर्मा, बच्चा सिंह कुशवाहा,राकेश जायसवाल, संजीत मोदनवाल राकेश कुमार शिव प्रसाद आदि रहे।

मेले से पहले पुलिस ने जेबकतरों को अपराध से दूर रहने की दी हिदायत

बैशकांटी गांव में महिला-पुरुषों को बुलाकर दी चेतावनी, दोबारा वारदात करने पर होगी कड़ी काररवाई

करारी,कौशाम्बी। करारी कस्बे में चार नवंबर से शुरू होने वाले तीन दिवसीय मेले और धनतेरस व दीपावली के त्योहार को लेकर पुलिस ने सुरक्षा का खाका तैयार करना शुरू कर दिया है। भीड़भाड़ वाले बाजारों में जेबकतरी, चोरी और छिनैती की घटनाओं को रोकने के लिए पुलिस ने उन लोगों पर निगरानी बढ़ा दी है, जो पहले ऐसी वारदातों में शामिल रहे हैं।

शुक्रवार को करारी पुलिस ने बैशकांटी गांव में अभियान चलाया। यहां पूर्व में आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त रहे महिला और पुरुषों को एकत्र कर अपराध से दूर रहने की शपथ दिलाई गई। पुलिस ने उन्हें दोबारा किसी वारदात में शामिल नहीं होने की सख्त हिदायत दी।

करारी कोतवाली क्षेत्र के बैशकांटी गांव में करीब २० हिस्ट्रीशीटर हैं। गांव के कई महिला और पुरुष पूर्व में जेबकतरी और चोरी की घटनाओं में पकड़े जा चुके हैं। शुक्रवार को नवागत थानाध्यक्ष त्रिलोकीनाथ पांडेय गांव पहुंचे और लोगों को एकत्र कर समझाया। उन्होंने कहा कि मेले और त्योहार के दौरान किसी भी तरह की आपराधिक गतिविधि बर्दाश्त नहीं की जाएगी। चोरी, जेबकतरी और छिनैती करते पकड़े जाने पर संबंधित के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने लोगों को अपराध करने पर मिलने वाले दंड की जानकारी देते हुए भविष्य में ऐसी गतिविधियों से दूर रहने की शपथ दिलाई। साथ ही चेतावनी दी कि मेले और त्योहार के दौरान पुलिस की विशेष निगरानी रहेगी। भीड़ का फायदा उठाकर वारदात करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा।



महिलाओं को जागरूक करते थानाध्यक्ष ।

पुलिस ने अभियान चलाकर किया वाहनों की जांच

कौशाम्बी। पुलिस ने अभियान चला कर वाहनों की जांच किया,और चालान किया गया।

सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस ने ऑपरेशन सेफ स्पीड के तहत शुक्रवार को जिले भर में विशेष चेकिंग अभियान चलाया। एसपी सत्यनारायण प्रजापत के निर्देशन में चलाए गए अभियान के दौरान यातायात नियमों का उलंघन करने वाले ३५५ वाहनों का ई-चालान किया गया। सीओ यातायात भैया संतोष कुमार के नेतृत्व में बेनीराम कटरा और कनैली चौराहे पर वाहनों की जांच की गई। वहीं, डीएसपी चायल शिवांक सिंह, एआरटीओ तारकेश्वर मल्ल और नायब तहसीलदार सौरभ सिंह ने डंपर चालकों के साथ बैठक कर ओवरलोडिंग, तेज रफ्तार व नशे में वाहन चलाने के खतरों के प्रति जागरूक किया। सभी थाना प्रभारियों ने अपने क्षेत्रों के प्रमुख मार्गों और दुर्घटना संभावित स्थलों पर चेकिंग की। पिकअप तथा ट्रैक्टर जैसे मालवाहक वाहनों में अवैध रूप से सवारी बैठाने वालों पर भी कार्रवाई की गई। पुलिस ने वाहन चालकों से हेलमेट, सीट बेल्ट का प्रयोग करने और निर्धारित गति सीमा का पालन करने की अपील की।

शक्तिपीठ कड़ा धाम में नहीं है एक भी एटीएम,श्रद्धालु परेशान

कौशाम्बी। शक्तिपीठ कड़ा धाम में प्रतिदिन हजारों श्रद्धालु मां शीतला के दर्शन के लिए आते हैं। यहां एटीएम की सुविधा नहीं होने के कारण रुपये निकालने के लिए श्रद्धालुओं को देवीगंज या दारानगर जाना पड़ता है। देवीगंज धाम से करीब तीन किलोमीटर और दारा नगर लगभग पांच किलोमीटर दूर है। इन दोनों स्थानों पर सीमित एटीएम सुविधा होने के कारण मशीन खराब होने, सर्वर डाउन या नकदी खत्म होने पर लोगों को करीब नौ किलोमीटर दूर सिराथू जाना पड़ता है। इससे बाहर से आने वाले यात्रियों को अधिक परेशानी होती है। स्थानीय लोगों का कहना है कि आधुनिक दौर में इतने बड़े धार्मिक स्थल पर एटीएम की सुविधा नहीं होना चिंता का विषय है। धाम के पुजारियों, स्थानीय नागरिकों और श्रद्धालुओं ने जिलाधिकारी तथा संबंधित बैंक अधिकारियों से कड़ा धाम में विभिन्न बैंकों के एटीएम स्थापित कराने की मांग की है।

अजुहा मंडी में बारिश से भीगी धान की बोरियां

कौशाम्बी। बेमौसम हुई बरसात में नवीन मंडी परिसर में रखी हजारों बोरियां बारिश में भीग गईं। इससे धान खराब होने और उसके सड़ने का खतरा बढ़ गया है। मंडी परिसर में धान को बारिश से बचाने के पर्याप्त इंतजाम नहीं होने से बोरियां पानी में तरबतर हो गईं।

नवीन मंडी परिसर में रखी हजारों बोरियां बारिश में भीग गईं। इससे धान खराब होने और उसके सड़ने का खतरा बढ़ गया है। मंडी परिसर में धान को बारिश से बचाने के पर्याप्त इंतजाम नहीं होने से बोरियां पानी में तरबतर हो गईं। किसानों का कहना है कि समय रहते तिरपाल और सुरक्षित भंडारण की व्यवस्था की जाती तो धान को भीगने से बचाया जा सकता था। खरीद और उचित मूल्य मिलने में भी दिक्कत आ सकती है। किसानों ने मंडी प्रशासन से भीगी बोरियों को तत्काल सुरक्षित स्थान पर रखवाने और धान को सुखाने की व्यवस्था कराने की मांग की है। वही कुछ किसानों का कहना है, कि उनके खेतों में धान खराब हो रहा है। इस बरसात को लेकर किसानो का कहना है, कि इस बरसात की वजह से किसानों की आलू की फसल खराब हो गई है, जिसकी वजह से किसान बहुत परेशान है, और उनका कहना है, बरसात हुई तो काफी नुक्सान होगा।

जनगणना के द्वितीय चरण के तहत जनसंख्या गणना एवं स्वगणना के व्यापक प्रचार-प्रसार के लिए की बैठक

कौशाम्बी। मुख्य विकास अधिकारी/अपर प्रमुख जनगणना अधिकारी विनोद राम त्रिपाठी की अध्यक्षता में आज जनगणना के द्वितीय चरण के अंतर्गत जनसंख्या गणना के प्रचार-प्रसार एवं दिनांक १६ नवम्बर,२०२६ से ३० नवम्बर,२०२६ तक आयोजित होने वाली स्वगणना के संबंध में जनपद स्तरीय अधिकारियों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जनगणना निदेशालय से नामित जनपद प्रभारी राजकुमार एवं जनगणना मास्टर ट्रेनर डॉ. संदीप कुमार तिवारी द्वारा पीपीटी के माध्यम से स्वगणना की प्रक्रिया तथा जनसंख्या गणना के दौरान पूछे जाने वाले ४० प्रश्नों के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। मुख्य विकास अधिकारी ने सभी जनपद स्तरीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि अपने-अपने विभागों के अधीनस्थ समस्त कार्मिकों की स्वगणना शत-प्रतिशत सुनिश्चित कराएं। इसके लिए सभी अधिकारी अपने कार्मिकों का डाटा तीन दिवस के भीतर तैयार कर जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी कार्यालय को उपलब्ध कराएं। बैठक में सभी अधिकारियों को जनपद अनुदेश पुस्तिका वितरित की गई तथा निर्देशित किया गया कि जनगणना से संबंधित सभी अनुदेशों का भली-भांति अध्ययन करें और अपने अधीनस्थ कार्मिकों की शत-प्रतिशत स्वगणना कराने के साथ ही जनगणना कार्यक्रम का व्यापक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित करें। इसी क्रम में आज उद्योग बंधु एवं व्यापार बंधु की बैठक में मुख्य विकास अधिकारी द्वारा व्यापार मंडल के पदाधिकारियों एवं सदस्यों से भी स्वगणना के प्रति लोगों को जागरूक एवं प्रोत्साहित करने की अपील की गई। उन्होंने रमेश अग्रहरी, प्रांतीय महामंत्री व्यापार मंडल, प्रवेश केशरवानी, जिलाध्यक्ष व्यापार मंडल, विपिन केशरवानी, अध्यक्ष व्यापार मंडल पश्चिम शरीरा तथा पुष्पेंद्र केशरवानी, अध्यक्ष व्यापार मंडल सिराथू सहित अन्य व्यापार मंडल सदस्यों से अपने-अपने क्षेत्रों में सभी व्यापारियों एवं आमजन को स्वगणना के लिए प्रेरित करने का आह्वान किया। इसके अतिरिक्त दिनांक ३१ अक्टूबर २०२६ को अपराह्न ०४:०० बजे स्वगणना के संबंध में समस्त जनपद स्तरीय एवं विकास खंड स्तरीय अधिकारियों की बैठक भी आयोजित की जाएगी। मुख्य विकास अधिकारी ने सभी संबंधित अधिकारियों से जनगणना के इस महत्वपूर्ण कार्य को प्राथमिकता देते हुए शत-प्रतिशत सहभागिता एवं व्यापक जनजागरूकता सुनिश्चित करने की अपील की।



अधिकारियो के साथ बैठक करते सीडीओ ।

बालिका की मौत के मामले में मुकदमा दर्ज

संदीपन घाट थाना क्षेत्र के धन्नी गांव निवासी फूलचंद की आठ वर्षीय पुत्री सुमित्रा गुरुवार सुबह करीब छह बजे घर के पास ही स्थित सार्वजनिक नल से पानी भरने गई थी। वह बाल्टी में पानी लेकर जीटी रोड के किनारे-किनारे अपने घर वापस आ रही थी। इसी दौरान कानपुर की ओर से प्रयागराज की तरफ जा रही अनियंत्रित और तेज रफ्तार कार ने उसे पीछे से टक्कर मार दी थी। इससे उसकी मौत हो गई थी। मृतका के पिता की तहरीर पर मुकदमा कायम कर पुलिस ने आरोपी चालक की कार समेत तलाश शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है, आरोप सही पाये जाने पर कारवाई होगी।

श्रीअन्न की खेती से बढ़ेगी किसानों की आमदनी

कौशाम्बी। मोटे अनाज यानी श्रीअन्न की खेती किसानों की आमदनी बढ़ाने के साथ पोषण सुरक्षा मजबूत करने का माध्यम बन सकती है। बाजरा, ज्वार और रागी जैसी फसलें कम पानी में तैयार होने के साथ मिट्टी की सेहत बनाए रखने में भी सहायक हैं। किसानों को पारंपरिक खेती के साथ फसल विविधीकरण अपनाकर श्रीअन्न के उत्पादन को बढ़ावा देना चाहिए। यह बातें शुक्रवार को कृषि विभाग की ओर से राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा एवं पोषण मिशन (एनएफएसएम) के तहत डायट मैदान, मंझनपुर में आयोजित मिलेट्स महोत्सव एवं किसान मेले में वक्ताओं ने कहीं। मुख्य अतिथि राज्य महिला आयोग की सदस्य प्रतिभा कुशवाहा ने कहा कि कृषि और पोषण सुरक्षा में महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका है। महिलाओं को श्रीअन्न के उत्पादन, प्रसंस्करण और घरेलू उपयोग से जोड़कर आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाया जा सकता है। उन्होंने महिलाओं से कृषि आधारित स्वरोजगार गतिविधियों में आगे आने की अपील की। मुख्य विकास अधिकारी विनोद राम त्रिपाठी ने कहा कि कम पानी में तैयार होने वाली श्रीअन्न की फसलें जल संरक्षण के लिहाज से भी महत्वपूर्ण हैं। किसानों को उत्पादन के साथ प्रसंस्करण और मूल्य संवर्धन पर ध्यान देना चाहिए, ताकि उपज का बेहतर मूल्य मिल सके। कृषि विभाग की योजनाओं का लाभ लेकर किसान अपनी आय बढ़ा सकते हैं।



जागरूकता कार्यक्रम का फीता काटकर उद्घाटन करते अधिकारी ।

मिट्टी की सेहत सुधारने पर दिया जोर

कृषि विज्ञान केंद्र के मृदा वैज्ञानिक डॉ. मनोज कुमार सिंह ने कहा कि खेती को लंबे समय तक लाभकारी बनाए रखने के लिए मिट्टी का स्वस्थ रहना जरूरी है। मृदा परीक्षण के आधार पर संतुलित उर्वरकों का प्रयोग करने के साथ गोबर की खाद, कंपोस्ट और हरी खाद का इस्तेमाल करना चाहिए। कृषि वैज्ञानिक डॉ. अमित ने कीट एवं रोगों के समेकित प्रबंधन की जानकारी देते हुए अनावश्यक कीटनाशकों के प्रयोग से बचने की सलाह दी। कृषि वैज्ञानिक डॉ. मीनाक्षी ने कहा कि बाजरा, ज्वार और रागी पोषक तत्वों से भरपूर हैं। इन्हें दैनिक भोजन में शामिल करने से संतुलित आहार को बढ़ावा मिलेगा। वहीं, पशुपालन विशेषज्ञ डॉ. राकेश कुमार ने खेती के साथ पशुपालन अपनाकर अतिरिक्त आमदनी अर्जित करने के तरीके बताए। उप कृषि निदेशक सत्येंद्र कुमार तिवारी और डीपीसी-डास्प डॉ. अखिलेश कुमार सिंह ने विभागीय योजनाओं की जानकारी दी। प्रगतिशील किसान अंगद सिंह ने अपने अनुभव साझा करते हुए किसानों को नवाचार और बाजार की मांग के अनुरूप खेती करने के लिए प्रेरित किया।

पड़ोसी युवक ने किशोरी को अगवाकर किया गायब

कौशाम्बी। सराय अकिल थाना क्षेत्र के एक व्यक्ति ने बताया कि २६ अक्तूबर की सुबह वह कहीं बाहर गया था। दोपहर को पत्नी धान काटने चली गई। इस दौरान पड़ोसी करन पुत्र राजकुमार घर पर मौजूद उसकी १६ साल की बेटी को अगवा कर ले गया। आरोपी वापस लौट आया, लेकिन बेटी का सुराग नहीं लग रहा है। मामले की शिकायत पर मुकदमा कायम कर पुलिस ने आरोपी युवक व किशोरी की तलाश शुरू कर दी है।